25 का समापन समारोह। जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में विजयी खिलाड़ियों को ट्रॉफी व सर्टिफिकेट देते हुए मुख्य अतिथि आईबी निदेशक तपन कुमार डेका व दिल्ली पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा व अन्य।

आधुनिक डिवाइस ने बुजुर्ग महिला के दिल की धड़कन को दी रफ्तार

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : तमाम स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रही उम्र के आखिरी पड़ाव पर 75 वर्षीय बुजुर्ग महिला की कमजोर पड़ती दिल की धड़कन एक बार फिर नई ऊर्जा से के साथ धड़कने को तैयार है। इसे इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल की प्रसिद्ध कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. वनिता अरोड़ा ने सच कर दिखाया है। अपोलो अस्पताल में कार्डियक इलेक्ट्रो फिजियोलॉजी की प्रमुख डॉ. वनीता अरोड़ा ने भारत में पहला एवीई एवीईआईआर वीआर एबॉट लीडलेस पेसमेकर को सफलतापूर्वक प्रत्यारोपित किया है। डॉ. अरोड़ा के अनुसार यह पारंपरिक पेसमेकर की जटिलताओं और अधिक जोखिम वाले मरीजों के लिए एक सुरक्षित समाधान प्रदान करती है। उन्होंने बताया कि 75 वर्षीय महिला मरीज कई स्वास्थ्य चुनौतियों थकान, ऊर्जा की कमी और अचानक बेहोश होने की समस्या से पीड़ित थी। कई परामर्शों के बाद भी कोई सुधार नहीं हुआ, डॉ. अरोड़ा ने उन्हें सिक साइनस सिंड्रोम का निदान किया, यह एक ऐसी स्थिति है जो हृदय का प्राकृतिक पेसमेकर या साइनस नोड, उम्र के कारण खराब हो जाता है। महिला मरीज डायबिटीज, उच्च रक्तचाप और बार-बार मूत्र मार्ग में संक्रमण (यूरिन इंफेक्शन) की समस्या से भी पीड़ित थी। ऐसे में ऑपरेशन करके पुराने पेसमेकर का प्रत्यारोपण अधिक जटिल होने के साथ जोखिम भरा था और संक्रमण की भी आशंका अधिक थी। डॉ. अरोड़ा ने कहा, ऐसे में मरीज को लीडलेस पेसमेकर के बारे में जानकारी दी गई, जो एक कैथेटर-माउंटेड डिवाइस है। इसे ऑपरेशन किए बिना पैर की नसों के रास्ते प्रत्यारोपित किया जाता है, जिससे इन जोखिमों में काफी कमी आती है।" डॉ. वनिता अरोड़ा ने बताया एवीईआईआर वीआर एबॉट लीडलेस पेसमेकर का उन्नत संस्करण है।